

अग्नवीर क्षैतिज आरक्षण नयिमावली, 2025

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने [NCERT](#) के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बंदि

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

- पीएम ई-वर्दिया मोबाइल एप्लिकेशन:
 - यह [पीएम ई-वर्दिया](#) के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जसि BISAG-N के सहयोग से वकिसति किया गया है।
- दीक्षा 2.0 :
 - इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और [एआई](#) उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैंप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।
- प्रशस्त 2.0:
 - यह एक [पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल](#) है जो दवियांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लयि मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।
- कतिाब एक पढ़े अनेक :
 - [राष्ट्रीय शिक्षा नीति \(NEP\) 2020](#) के अनुरूप यह पहल [यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग \(UDL\)](#) आधारित सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य [समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना](#) है, जसिसे वशिषकर दवियांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मल सके।
- उत्कल जननीकर सुजोग्य संतान :
 - यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों के जीवन और योगदान पर आधारित है, जनिहोंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा [राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन](#) में भी भाग लिया।

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- स्थापना: 1 सतिंबर 1961
- मुख्यालय: नई दल्लि
- उद्देश्य: भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन के रूप में, यह वर्दियालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- कार्य: पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधगिम सामग्री और नवीन शैक्षणिक उपकरण वकिसति करना, साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।